Govind Guru Tribal University, Banswara

Details of Discipline Centric Core and ElectiveCoursesfor freshers who will be admitted in the session 2023-24

(Separatesheet to beused for each discipline/subject)

NameofUniversity: Govind Guru Tribal University, Banswara

NameofFaculty(ies) : HUMANITIES

NameofDiscipline/Subject: HINDI LITERATURE

Three-YearBachelorDegreeProgram								
					Credits			
#	Level	Semester	Type	Title	L+T		P	Total
1	5	I	DCC	HINDI SAHITYA KA ITIHAS	5	1	0	6
2	6	II	DCC	HINDI KAVITA ADIKAL AND BHAKTI KAL	5	1	0	6
3	6	III	DCC	HINDI KATHA SAHITYA	5	1	0	6
4	6	IV	DCC	HINDI KAVITA AADHUNIK KAL	5	1	0	6
5	7	V	DSE	HINDI NATAK AVM EKANKI	5	1	0	6
6	7	VI	DSE	HINDI NIBANDH AUR ANY GADHYA VIDHAYEN	5	1	0	6

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY BANSWARA

B.A

Three Year Graduate Course

Semester I

HINDI LITERATURE

DCC

हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई 1

आदिकाल–सीमा निर्धारण नामकरण की समस्या, सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासोकाव्य की विशेषताएँ; प्रमुख कवि: सरहपा, गोरखनाथ, चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति

इकाई 2

भक्तिकाल–सीमा निर्धारण, भक्ति आन्दोलन का स्वरूप, सन्त, सूफी, राम एवं कृष्ण भक्ति काव्यों की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई

इकाई 3

(क) रीतिकाल–सीमा निर्धारण; नामकरण की समस्या, रीतिकवियों का आचार्यत्व; रीतिकाल के प्रवर्तक रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ; प्रमुख कविकेशवदास, बिहारीलाल, देव, भूषण, घनानन्द

(ख) आधुनिक काल–सीमा निर्धारण; आधुनिक और आधुनिकता; आधुनिक कालीन भारतीय नवजागरण; आधुनिक कालीन कविता की विकास–यात्रा; प्रमुख कवि–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, दिनकर, अज्ञेय, धूमिल

सन्दर्भग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

3. हिन्दी साहित्य की भूमिका:आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ०नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ०बच्चनसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
7. रीतिकाल : तथ्य और चिन्तन–डॉ०सरोजिनी पाण्डेय, विकास प्रकाशन, जवाहरनगर, कानपुर
8. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2) –डॉ॰गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA

B.A
Three Year Graduate Course
Semester II
HINDI LITERATURE
DCC
DCC-2 : हिंदीकविता (आदिकालीन एवंभक्तिकालीन काव्य)

इकाई–1 (क) विद्यापति–विद्यापति की पदावली, संपा. आचार्य श्रीरामलोचन शरण

वंदना– 1 राधा की वंदना

श्रीकृष्ण का प्रेम– 35 (प्रेम–प्रसंग)

राधा का प्रेम 36

(ख) कबीरदास–कबीरग्रंथावली, संपा. डॉ. माताप्रसादगुप्त

(लोकभारती प्रकाशन; प्रथमसंस्करण; फरवरी, 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)

धर्मविद्यौसणकौ अंग (1, 10)

भेषकौ अंग (2, 12)

सधासाषीभूतकौ अंग (3, 4)

सरग्राहीकौ अंग (3,4)

संग्रथाईकौ अंग (9)

= पद संख्या 64 – काहे रीनलिनी

– पद संख्या 66 अब का करूँ

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

इकाई–2(क) सूरदास : सूरसागरसार : धीरेन्द्र वर्मा; (साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, जीरो रोड,इलाहाबाद– 211003; अष्टम संस्करण सन् 1990)

पद संख्या25 (मेरो मनअनत . .) विनय तथाभक्ति

7 (जसोदा हरिपालने .) गोकुल–लीला

18 (शोभित कर) गोकुल–लीला

141 (ऊधो मन माने उद्धव–संदेश

1 (खेलत हरि निकसे..) राधा–कृष्ण

158 (अति मलीन .) उद्धव–संदेश

पद संख्या25 (मेरो मनअनत . .) विनय तथा भक्ति

7 (जसोदा हरिपालने .) गोकुल–लीला

(ख) मीराबाई की पदावली (संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन; प्रयाग,बाइसवाँ संस्करण 2008 ई.)

पद संख्या– 5 (तनकहरिचितवाँ ..)

14 (आलीरीम्हारे . .)

19 (माई साँवरे रँग राँची .)

22 (माई रीम्हानियाँ .)

36 (पग बाँधा घूँघ . . .)

70 (हेरी म्हातोदरद दिवाँणी.)

इकाई–3(क) तुलसीदास

- श्री रामचरित मानस, गीताप्रेस, गोरखपुर–संस्करण 2052, 74वां संस्करण (दोहा 26 से दोहा 31)
- विनय पत्रिका, गीताप्रेस, गोरखपुर–संस्करण 2055, 36वां संस्करण (पद सं. 105, 111, 162)
- कवितावली, गीताप्रेस, गोरखपुर–संस्करण 2052, 36वां संस्करण
  1. बालकाण्ड– छंद संख्या 1
  2. अयोध्याकाण्ड– छंद संख्या 22

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

3. उत्तरकाण्ड– छंद संख्या 96 एवं 106

सहायक ग्रंथ

- कबीर–हजारीप्रसाद द्विवेदी
- सूरदास–रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य –मैनेजर पाण्डेय
- गोस्वामी तुलसीदास–रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका–रामपूजन तिवारी
- कबीर की विचारधारा–गोविंद त्रिगुणायत
- कबीर संपा. विजयेंद्र स्नातक
- सूर और उनकासाहित्य –हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास–ब्रजेश्वरवर्मा
- निर्गुण काव्य में नारी–अनिल राय
- तुलसी–काव्य–मीमांसा:उदयभानुसिंह
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक– श्याममनोहर पाण्डेय
- सूफी कविता की पहचान– यश गुलाटी
- मीरा : जीवन और काव्य :सी.एल. प्रभात
- आलोचना का नया पाठ : गोपेश्वरसिंह
- मीरा का काव्य : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
- राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य : कैलाशनारायण तिवारी
- मध्यकालीन कृष्ण 'काव्य की सौंदर्यचेतना' : पूरनचंद टंडन

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)